



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

4/7/85

सं० 161] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 6, 1985/चैत्र 16, 1907
No. 161] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 6, 1985/CHAITRA 16, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

विदेश मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1985

सा. का. नि. 349(अ) :—प्रत्यर्पण अधिनियम, 1962 (1962 का 34) की
दूसरी अनुसूची की मद सं. 18 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय
सरकार, इसके द्वारा “करेंसी नोटों और बैंक नोटों” से सम्बद्ध अपराधों का उल्लेख
करती है जिनके लिए, यदि वे भारत में किए जाएं, भारतीय दण्ड संहिता, 1860
(1860 का 45) की धारा 489-क से 489-ड तक, के अन्दर सजा दी जाएगी तथा जो
संधि राज्यों से इतर सभी विदेशी राज्यों के सम्बन्ध में और राष्ट्र-मण्डल देशों के
संबंध में प्रत्यर्पण अधिनियम, 1962 के बर्थ के अन्दर प्रत्यर्पण अपराध होंगे।

2. यह अधिसूचना 30 मार्च, 1985 को लागू हो जाएगी।

[सं. एफ. एन. एल. /413/3/85]

डा. आर. के. दीक्षित, संयुक्त सचिव
एवं विधि सलाहकार

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th March, 1985

G.S.R. 349(E).—In exercise of the powers conferred by item 18 of the Second Schedule to the Extradition Act, 1962 (34 of 1962), the Central Government hereby specifies the offences relating to—

“Currency Notes and Bank Notes”

which is committed in India would be punishable under sections 489-A to 489-E of the Indian Penal Code, 1860 (45 of 1860), to be extradition offences within the meaning of the Extradition Act, 1962 in relation to all foreign States other than treaty States and in relation to Commonwealth countries.

2. This Notification shall come into force on 30 March 1985.

[F. N. L/413/3/85]

DR. R. K. DIXIT, Jt. Secy. and Legal Adviser